

उत्तराखण्ड के 33 जेंटलमैन कैडेट्स अधिकारी बने

चर्चा में क्यों?

11 जून, 2022 को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में पासगिआउट परेड (पीओपी) के बाद उत्तराखण्ड के 33 युवा भारतीय सेना में अधिकारी बन गए।

प्रमुख बंदि

- परेड में देश-वदिश के कुल 377 कैडेट्स ने शरिक्त की। 150 रेगुलर कोर्स और 133 टेकनकिल ग्रेजुएट कोर्स (टीजीसी) से संबंघति कुल 288 जेंटलमैन कैडेट्स (जीसी) 11 जून को पासगिआउट के बाद भारतीय सेना के गर्वति अधिकारी बन गए।
- आठ मतिर देशों के 89 जेंटलमैन कैडेट्स भी पासआउट होकर अपने-अपने देश की सेन्मेंओं शामिल हो गए हैं। मतिर देशों में अफगानसितान से 43, भूटान से 18, करिगसितान से 1, मालदीव से 3, नेपाल से 1, श्रीलंका से 3, ताजकिस्तान से 19, तंजानिया से 1 कैडेट पास आउट हुए।
- उत्तर प्रदेश 50 अधिकारियों के साथ जीसी के राज्यवार प्रतिनिधित्व की तालकिा में सबसे आगे रहा। पासगिआउट दल में 33 जीसी के साथ उत्तराखण्ड दूसरे स्थान पर, जबकि बिहार 28 जीसी के साथ तीसरे स्थान पर तथा हरयाणा 25 जीसी के साथ चौथे स्थान पर रहा।
- कोर्स के हरफनमौला जेंटलमैन कैडेट बिहार के समस्तीपुर नविासी मौसम वत्स को प्रतिष्ठित सोर्ड ऑफ ऑनर और ऑर्डर ऑफ मेरिटि में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उत्तराखण्ड के ऊधमसहि नगर नविासी नीरज सहि पपोला को गोल्ड मेडल से नवाजा गया।
- गौरतलब है कि भारतीय सैन्य अकादमी से अब तक कुल 34 मतिर देशों के 2724 कैडेट्स पासआउट हो चुके हैं, जबकि भारतीय सैनिकि अकादमी अब तक 63 हज़ार 568 सैन्य अधिकारी देश को दे चुकी है।